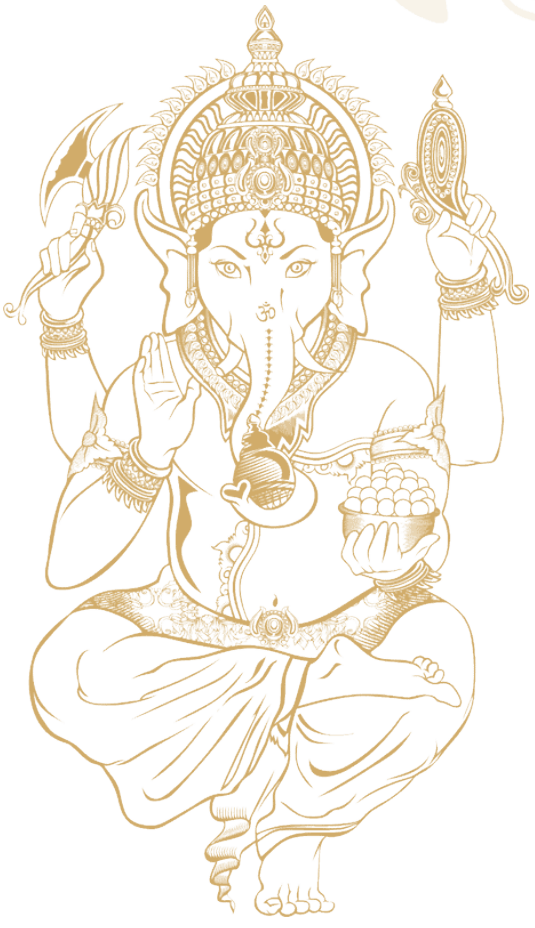

Mr.Nalin Mathur

Ms.Palak Mathur

Model: Web-FreeMatching

Order No: 120178013

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
24/10/1993	जन्म तिथि	7-08/09/1995
रविवार	दिन	गुरु-शुक्रवार
घंटे 09:37:00	जन्म समय	03:45:00 घंटे
घटी 07:43:31	जन्म समय(घटी)	54:01:05 घटी
India	देश	India
Jaipur Rly Station	स्थान	Bhopal
26:54:00 उत्तर	अक्षांश	23:17:00 उत्तर
75:48:00 पूर्व	रेखांश	77:28:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:26:48	स्थानिक संस्कार	-00:20:08 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:31:35	सूर्योदय	06:03:58
17:51:07	सूर्यास्त	18:32:17
23:46:29	चित्रपक्षीय अयनांश	23:47:57

विंशोत्तरी मंगल 4वर्ष 9मा 12दि गुरु 06/08/2016 06/08/2032		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी मंगल 0वर्ष 9मा 27दि गुरु 06/07/2014 06/07/2030	
		16:11:53	वृश्चि	लग्न	कर्क	19:00:50		
		06:59:35	तुला	सूर्य	सिंह	21:00:59		
		27:33:13	मक	चंद्र	कुंभ	05:05:36		
		24:50:40	तुला	मंगल	तुला	06:37:14		
गुरु	24/09/2018	28:32:06	तुला	बुध	कन्या	17:51:39	गुरु	23/08/2016
शनि	06/04/2021	02:31:41	तुला	गुरु	वृश्चि	13:39:58	शनि	06/03/2019
बुध	13/07/2023	16:21:40	कन्या	शुक्र	सिंह	25:54:51	बुध	11/06/2021
केतु	18/06/2024	29:52:21	मक व	शनि व	कुंभ	28:03:16	केतु	18/05/2022
शुक्र	17/02/2027	09:48:42	वृश्चि व	राहु व	तुला	03:23:34	शुक्र	16/01/2025
सूर्य	06/12/2027	09:48:42	वृष व	केतु व	मेष	03:23:34	सूर्य	04/11/2025
चन्द्र	06/04/2029	24:45:17	धनु	हर्ष व	मक	03:03:28	चन्द्र	06/03/2027
मंगल	13/03/2030	24:45:39	धनु	नेप व	धनु	29:10:20	मंगल	10/02/2028
राहु	06/08/2032	00:41:20	वृश्चि	प्लूटो	वृश्चि	04:16:25	राहु	06/07/2030

लग्न-चलित

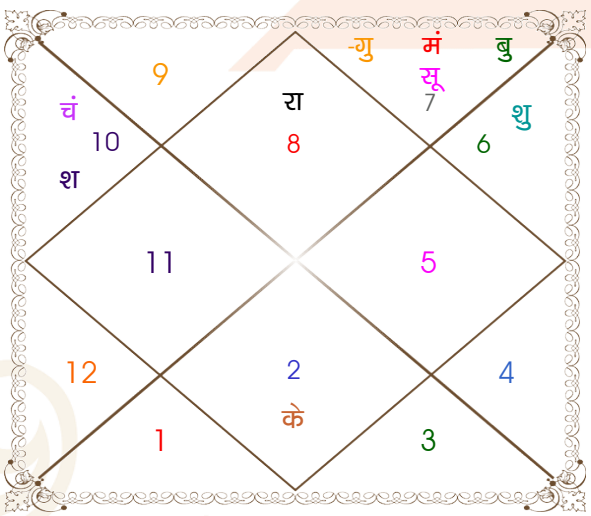

लग्न-चलित

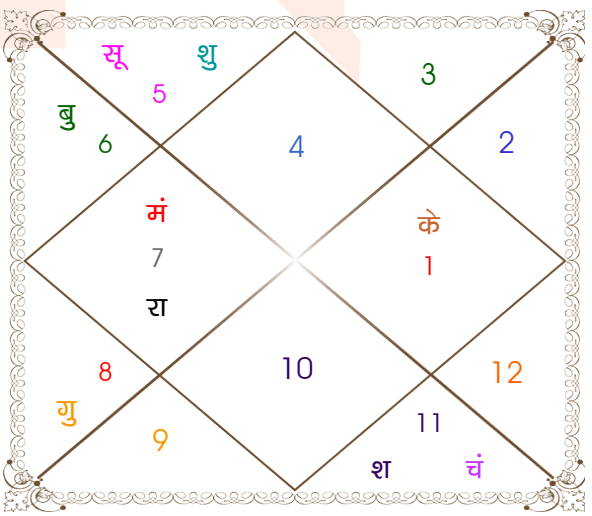

Pulak Sagarm Hastrek ,Jyotish & Vastu Paramarsh kendr Dr. Hukum Chand Jain
T-13, Cosmo Tower Jank Ganj Near Hanuman Chauraha, Gwalior pin 474001 M P
Mo 9425187186 ,9302614644
Astrodr. hcjain @gmail.Com

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	वैश्य	शूद्र	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	जलचर	मानव	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	जन्म	जन्म	3	3.00	--	भाग्य
योनि	सिंह	सिंह	4	4.00	--	यौन विचार
मैत्री	शनि	शनि	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	राक्षस	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	मकर	कुम्भ	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	मध्य	8	0.00	हाँ	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	20.00		

भकूट दोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता है।

डतण्छंसपद डंजीनत का वर्ग मार्जार है तथा डेण्ंसां डंजीनत का वर्ग मार्जार है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार डतण्छंसपद डंजीनत और डेण्ंसां डंजीनत का मिलान शुभ है।

मंगलीक दोष मिलान

डतण्छंसपद डंजीनत मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है।

व्यये च कुजदोषः कन्यामिथुनयोरविना।
द्वादशे भौमदोषस्तु वृषतौलिकयोरविना।।

अर्थात् व्यय भाव में यदि मंगल बुध तथा शुक्र की राशियों में स्थित हो तो भौम दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल डतण्छंसपद डंजीनत कि कुण्डली में द्वादश भाव में तुला राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।
न मंगली मंगल राहु योग।

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं गुरु डतण्छंसपद डंजीनत कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

डेण्ट्सां डंजीनत मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में चतुर्थ भाव में स्थित है।

कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।
न मंगली मंगल राहु योग।

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं राहु डेण्ट्सां डंजीनत कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि शनि डतण्छंसपद डंजीनत कि कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

डतण्छंसपद डंजीनत तथा डेण्ट्सां डंजीनत में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।